

1. ई interj. gaṇa चादि zu P. 4, 1, 57. VOP. 2, 19. क्रोधे डुःखभावेन । प्रत्यन्ते संनिधौ H. an. 7, 3. विषादे ऽनुकम्पायाम् MED. avj. 4.

2. ई pron. s. ईम्.

3. Verbalwurzel s. 3. ई.

4. ई 1) m. der Liebesgott TRIK. 1, 1, 38. — 2) f. (nom. ई oder ईम्) ein N. der Lakshmi H. 226. MED. avj. 4.

ईत्, ईन्ते DHĀTUP. 16, 9. ऐतत (ईतत AIT. UP. 1, 1, 3); ऐतिष्ठ, ऐतिष्ठाम्, ऐतिष्ठिषि; ईन्तिष्यते; ईन्तो चक्रे; ईत्प ger.; ईन्तितुम्; ईन्तित; bisw. auch act.

1) sehen, blicken, hinblicken, anblicken, erblicken; mit acc. und auch loc.:

पदेति तद्वन्ति मा AV. 12, 1, 58. ओ अन्तरा रोदसी क्रुद्धश्नुषेन्त 13, 3, 6.

9, 7, 23. रराख्यामोक्षमाणः AIT. BR. 1, 29. ÇAT. BR. 1, 5, 1, 26. 2, 3, 4, 35. 6,

3, 3, 4. 14, 1, 4, 16. KĀTJ. ÇR. 2, 1, 22. 3, 24. 8, 4. 6, 3, 13. स वीरो यावदी-

न्ते KATHĀS. 25, 148. परस्य युवती रम्या साकाङ्क्षे नेन्ते च कः HIT. II, 124.

नेन्तेतोद्यत्तमादित्यम् M. 4, 37. 43. 53. 8, 76. नेत्तन्नम्रतो द्विजान् 3, 239. R.

2, 38, 12. मैत्रेणोत्सव चनुषा 1, 52, 17. 2, 92, 7. ऐतत 5, 14, 65. VID. 144.

212. 235. ईन्तो चक्रे R. 3, 23, 45. ईन्तमाणः VS. 22, 8. R. 4, 35, 32. ईन्तितुम् 2,

103, 18. 3, 5, 13. KATHĀS. 16, 80. ईत्प gerund. M. 5, 87. MBH. 14, 2157.

act.: रविमुद्यत्तमोक्षितौ 15, 826. pass.: चेष्टा निवेद्यते ते DHĀRTAS. 72, 12. ई-

न्तिते VS. 22, 8. MBH. 3, 1855. n. Blick PRAB. 108, 14. अग्निमुखे मयि संकृ-

तमोक्षितम् ÇĀK. 44. — 2) mit dem geistigen Auge schauen, bei sich den-

ken, auf einen Gedanken kommen (besonders von höhern Wesen; vgl.

दर्श and प्रश्): प्रज्ञापितृन्तो चक्रे कथं नु मे प्रज्ञाः सृष्टाः पराभवतीति

स कैतदेव ददर्शनशानतया वै मे प्रज्ञाः पराभवतीति ÇAT. BR. 2, 5, 1, 3. 2, 26,

2, 1, 13. 1, 6, 2, 7. 3, 2, 1, 22. 26. 4, 1, 2, 11. शर्यातो कृ वा ईन्तो चक्रे पत्कम-

कारं तस्मादिदमादि 5, 4. 3, 4, 23. 9, 5, 1, 14. 15. 11, 5, 1, 4. 8, 1, 2. 14, 4, 2,

3. 6 (=BRH. ĀB. UP. 1, 2, 5). 9, 4, 2. स ऐतत कथं नु प्रज्ञापयेति 2, 5, 1, 1, 2, 13,

1, 7, 3. 3, 2, 1, 19. 6, 2, 1, 5. त् (देवाः) ऐतन्तास्माकमेवायं विज्ञया ऽस्माक-

मेवायं मर्हमेति KENOP. 14. तत्तेषु ऐतत बद्ध स्यां प्रज्ञापयेति KĀND. UP. 6,

2, 3. स ईतत (!) लोकात्तु सृजा इति AIT. UP. 1, 1, 3. transit. schauen, wahr-

nehmen, bemerken: सर्वभूतस्यमात्मानं सर्वभूतानि चात्मानि । ईतते योगयु-

क्तात्मा BHAG. 6, 29. काममोक्षामहे सर्वे डयोधन तवोप्सितम् MBH. 3, 298.

प्रश्नुषुमीदय 12718. act.: कश्चिद्धीरः प्रत्यगात्मानमैतदावृत्तचतुरमृतत्वमि-

च्छन् KATHOP. 4, 1. pass.: गोपालकस्य चैतस्य शोकः स्वल्प इवेद्यते KA-  
THĀS. 16, 53. — 3) auf Etwas achten, berücksichtigen: न कामवृत्तिर्वचनी-  
यमोक्षते KUMĀRAS. 5, 82. — 4) für Jmd (dat.) besorgt sein, Jmd mit Rath  
unterstützen P. 1, 4, 39. VOP. 5, 15. देवदत्ताय ईतते = पृष्टः सन्देवदत्तस्य  
प्रभाप्रभुं पर्यालोचयति Sch. — caus. ईतयति hinsehen lassen nach (acc.):  
आदित्यमीक्षते ̎ÇV. GRHJ. 1, 20.

— अग्धि Etwas (acc.) in Etwas (loc.) sehen: कुक्कचकितो लोकः सत्ये  
ऽप्यपायमधीक्षते HIT. IV, 101.

— अन्नु 1) in einer Richtung hinsehen, Jmd nachsehen: अन्वैक्षन्त मनसा  
चक्षन्ता च AV. 2, 34, 3. ÇAT. BR. 6, 3, 2, 5. TS. 6, 5, 6, 5. अन्वैक्षमाणो राम-  
स्तु विषयं धातचेतसम् । राजानं मातरं चैव ददर्शानुगतिं पथि ॥ R. 2, 40, 38.  
तौ हान्वीदय KĀND. UP. 8, 8, 4. — 2) im Auge behalten ÇAT. BR. 8, 1, 2,  
3. — Vgl. अन्वीक्षण figg.

— समनु dass. 1) कृविधानयोर्ज्ञानार्थं समन्वीदय ÇAT. BR. 3, 6, 1, 26. —

2) अय यद्यज्ञस्य क्लृप्तेतसमन्वीदय बुद्ध्यात् ÇAT. BR. 4, 5, 2, 6.

— अय 1) wegsehen, sich umsehen: स्वर्णतो नापेक्षते AV. 4, 14, 5 (VS.  
17, 68). 12, 5, 19. किमपेक्षिताः ÇAT. BR. 11, 5, 3, 3. पदपैक्षिषीमं चामुं च  
लोकं तेन समधाम् 6. अनपेक्षमाणो ऽरण्यमभिप्रेयात् 13, 6, 2, 20. 8, 2, 4.

KĀTJ. ÇR. 21, 1, 17. — 2) sich nach Jmd umsehen, es auf Jmd abgesehen

haben, im Auge haben: ततो हारं तं प्रसमीदय गर्वितं गतश्रमं शत्रुपराज-

योचितम् । अपेक्षमाणः समुदीर्षामानसो विचित्रवाणं जगृहे तदा धनुः ॥ R.

5, 42, 6. अः कापि नारी विज्ञप्तिकेतोर्धुम्मानपेक्षते KATHĀS. 23, 6. — 3) sich

umsehen, Rücksicht nehmen, berücksichtigen: यो लौल्यात्कुरुते कर्म नै-

वानर्थमपेक्षते PĀNĀT. V, 61. न कालमपेक्षते स्नेहः MRĀKĀ. 108, 23. KATHĀS.

5, 2. तातस्य प्रियकामेन यौवराज्यमपेक्षता R. 2, 52, 34. कस्मान् त्वयापेक्षितः

पिता BHĀṬ. 6, 128. अनपेक्षितमर्थादम् (नृपम्) M. 8, 309. अनपेक्षितजीविता

प्रीतिः VID. 306. — 4) sich nach Jmd umsehen, warten auf, erwarten,

abwarten: काकतालीयवत्प्राप्तं दृष्ट्वापि निधिमप्रतः । न स्वयं देवमादते पु-

रुषार्थमपेक्षते HIT. Pr. 34. पाणिपात्रपतितो भिन्नामपेक्षामहे BHĀṬ. 3, 66.

VIKR. 89. KUMĀRAS. 3, 26. KĀTJ. 5. — 5) erheischen, erfordern, voraussetzen

lassen: यतः शब्दा व्यञ्जकत्वे ऽर्थात्तरमपेक्षते SĀH. D. 21, 17. BALLANTYNE:

because a word, when it suggests, has an eye to another meaning. तदि-